ओशो के ध्यान उपवन

ओशोधाम में ओशो महोत्सव

19 जनवरी, ओशो की पुण्यतिथि के अवसर पर, नयी दिल्ली के ओशोधाम में 18 से 20 जनवरी को त्रिदिवसीय ध्यान-उत्सव का आयोजन हुआ। इसका संचालन स्वामी चैतन्य कीर्ति ने किया। इस अवसर पर ओशोधाम को बहुत सुरुचिपूर्ण ढंग से सुसज्जित किया गया था। देशभर के अलग-अलग क्षेत्रों से ओशो प्रेमी यहां एकत्रित हुए। उनकी उपस्थिति से नयी दिल्ली की ठंडक में एक ऊर्ज स्विता, उमंग-तरंग भरी ऊष्मा आ गयी। ओशो की मूलभूत ध्यान-विधियों के साथ-साथ नृत्य-कीर्तन तथा हास्य ने वातावरण को संजीदा बनाए रखा। कुछ नए मित्र ओशो के नव-संन्यास में दीक्षित हुए।

-समीरा

देहरादून, उत्तराखण्ड

ओशो ओम बोधिसत्व कम्यून, देहरादून में 18 से 20 जनवरी को ओशो महोत्सव एवं ध्यान शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर के दौरान ओशो की विभिन्न ध्यान विधियों के अतिरिक्त नाद से शून्य का अनुभव, ओमृ मणि पदमे हुमृ ध्यान व जापान के लाफिंग बुद्धा वाला ध्यान विशिष्ट रहा।

शिविर का संचालन स्वामी नरेन्द्र बोधिसत्व और आत्मो निनाद ने किया। ओशो महोत्सव में संन्यास दीक्षा के साथ महोत्सव में कीर्तनों के इन्द्रधनुषी रंग बदलते रहे।

अमृतधाम, जबलपुर

ओशो अमृतधाम जबलपुर में 17 से 27

जनवरी 'सरल विपस्सना से सहज समाधि में प्रवेश' शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें साधक मित्रों ने सम्मिलित होकर—श्वास से सम्बन्धित सरल व सूक्ष्म ध्यान विधियों से गुजकर अंतर्जगत के विभिन्न रहस्यों को जाना।

19 जनवरी को ओशो महोत्सव ध्यान, गीत-संगीत, सत्संग के माध्यम से बहुत ही आनंद और उत्सवपूर्वक रूप से मनाया गया।

-स्वामी शिखर

तपोवन

19 जनवरी को ओशो का महापरिनिर्वाण दिवस बहुत ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। दिन का आरंभ संकीर्तन से हुआ। सक्रियता के क्षणों का आनंद ओशो प्रेमियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ लिया; वहीं मौन के क्षणों का रसास्वादन भी गहरे ध्यान में डूब कर लिया।

फूलों से श्रृंगारित ओशो समाधि पर ओशो संन्यासियों ने ध्यान के श्रद्धा सुमन चढ़ाए। इसमें

करीब 500 मित्रों की सहभागिता थी। विराटनगर धर्मदीप ध्यान केन्द्र और ओशो तपोवन द्वारा प्रस्तुत 'प्रियतम ओशो मधुरम' ओशो सीडी एवं ऑडियो का विमोचन हुआ। संध्या सत्संग की बेला में 7 मित्रों ने नव-संन्यास लिया।

26 से 28 जनवरी को आयोजित शिविर में 6 मित्रों ने नव-संन्यास ग्रहण किया। शिविर का संचालन स्वामी आनंद अरुण ने किया।

यवतमाल, महाराष्ट्र

यवतमाल, महाराष्ट्र में 21 से 23 दिसम्बर को त्रिदिवसीय ध्यान शिविर सम्पन्न हुआ जिसमें 200 मित्र साधकों ने भाग लिया। शिविर का

संचालन मा प्रेम पूर्णिमा ने किया।

-देविदास पाटील

चाम्पा, छ. ग.

22 से 23 दिसम्बर को चाम्पा, छत्तीसगढ़ में तंत्र प्राण साधना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें श्वास पर आधारित ध्यान प्रयोगों से ओशो के साधकों को एक नई दृष्टि मिली। स्वामी एकांत आनंद के संचालन में 4 साधकों की दीक्षा ली।

आनंद के संचालन में 4 साधकों की दीक्षा ली।

-स्वामी आनंद एकांत

गोधरा, गुजरात

22 से 23 दिसम्बर को गुजरात के गोधरा शहर में ओशो ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान सक्रिय ध्यान, नादब्रह्म, कीर्तन, नृत्य, संध्या सत्संग, व्हाइट रोब ब्रदरहुड और ओशो अमृत वाणी में साधक नाचते-गाते ध्यान में डूबे।शिविर में 40 मित्र साधकों ने भाग लिया। शिविर का संचालन स्वामी आनंद योगश और मा बोधि ज्वाला ने किया।

-स्वामी सत्य दर्शन

हिण्डौन, राजस्थान

ताओ ध्यान योग साधना केन्द्र, हिण्डौन द्वारा 25 से 30 दिसम्बर को ओशो मौन साधना शिविर का आयोजन किया गया। साधकों ने अनेक ध्यान प्रयोगों से गुजरकर मौन की गहराई में डुबकी लगाई। शिविर में लगभग 60 मित्र साधकों ने भाग लिया, जिनमें से 10 साधकों द्वारा नव-संन्यास की दीक्षा ग्रहण की गई। शिविर का संचालन स्वामी आत्मो विवेक एवं स्वामी ओम प्रकाश भारती द्वारा किया गया।

रायपुर

28 से 30 दिसम्बर को ओशो उपवन, भिलाई में त्रिदिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। सौन्दर्य से भरपूर व ध्यान के परमशान्ति के ऊर्जा से लबालब इस रमणीय उपवन में 150 मित्रों ने भाग लिया।

भक्ति, ध्यान व उत्सव के इस सामूहिक कुम्भ में भावपूर्ण अन्तिम दिन 25 मित्र नव-संन्यास में दीक्षित हुए। शिविर का संचालन स्वामी आनंद अरुण ने किया।

करनाल, हरियाणा

ओशो सुमधुर ध्यान आश्रम, करनाल में 28 से 31 दिसम्बर तक ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। ओशो स्वदिशाबोध के अंतर्गत सरल प्रवेश की विधियां सिखाई गईं तथा अनेक ध्यान

विपस्सना द्वारा सहज समाधि में प्रवेश की विधियां सिखाई गईं तथा अनेक ध्यान प्रयोग ओशो की मूलवाणी के साथ करवाये गए।

स्वामी आनंद विजय तथा मा जीवन दर्पण के संचालन में शिविरार्थियों ने कीर्तन ध्यान में डूबकर ओशो की ऊर्जा को अनुभव किया।

-स्वामी कृष्ण तीर्थ सरस्वती

राजकोट, गुजरात

राजकोट में ओशो सत्य प्रकाश ध्यान मंदिर में 31 दिसम्बर को ओशो उत्सव रखा गया जिसका

संचालन ओशो के पुराने संन्यासी स्वामी जिन स्वरूप सरस्वती ने किया। इस अवसर पर ओशो आरकेस्ट्रा का भी आयोजन किया गया।

-स्वामी सत्य प्रकाश

हाटपीपल्या, म. प्र.

गत माह दिसम्बर में त्रिदिवसीय ओशो भक्ति साधना शिविर का आयोजन स्थानीय सिद्धि विनायक गार्डन, हाटपीपल्या, म. प्र. में मा ध्यान आभा द्वारा संचालित हुआ।

शिविर के दौरान ओशो प्रेमियों ने ध्यान कीर्तन व नृत्य उत्सव में अपने आप को डुबोया

तथा व्हाइट रोब संध्या सत्संग के बाद 4 मित्रों ने नव-संन्यास की दीक्षा ग्रहण की।

-स्वामी आनंद वीतराग

वीरगंज, नेपाल

3 से 5 जनवरी को वीरगंज, नेपाल में ओशो ध्यान शिविर बड़ी धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर में देश-विदेश से आए लगभग 300 मित्रों ने भाग लिया और 21 मित्रों ने नव-संन्यास की शिक्षा ग्रहण की।

शिविर संचालक स्वामी हरिश्चन्द्र भारती द्वारा– (1) ओशो गुरु प्रेम ध्यान केन्द्र, उरलावारी, नेपाल (2) ओशो प्रेम गंगा ध्यान केन्द्र, वीरगंज, नेपाल का उद्घाटन किया गया।

-स्वामी आनंद पुजारी

वाराणसी

ओशो मंदाकिनी ध्यान केन्द्र, वाराणसी में 3 से 10 जनवरी को ओशो मल्टीकलर मेडिटेशन कैम्प का आयोजन किया। शिविर में 80 मित्रों ने

भाग लिया। शिविर के दौरान साधकों ने ओशो की प्रमुख ध्यान विधियों एवं प्रवचनों का आनंद लिया।

शिविर का संचालन मा ध्यान आभा ने किया। उन्होंने साधकों को नो-माइंड, बॉर्न अगेन एवं मिस्टिक रोज़ का भी संक्षिप्त परिचय करवाया। शिविर का समापन 7 नये मित्रों की नव-संन्यास दीक्षा के साथ हुआ।

-स्वामी बोधि अजीत

जबलपुर, म. प्र.

जबलपुर नगर के वरिष्ठतम संन्यासी स्वामी प्रेम चैतन्य का प्रथम निर्वाण महोत्सव विगत 4 जनवरी को 'इवनिंग मेडिटेशन विद मास्टर' के रूप में प्रारंभ हुआ।

सद्गुरु ओशो के अमृत प्रवचन 'मैं मृत्यु सिखाता हूं' पर जीवन की सच्चाईयों को कार्यक्रम में उपस्थित सभी ओशो प्रेमियों ने हृदय की अतल गहराईयों से सुना एवं आनंदित हुए।

-स्वामी नागार्जुन भारती

पंजाबी बाग, दिल्ली

6 जनवरी को ओशो आस्था ध्यान केन्द्र, पंजाबी बाग, दिल्ली द्वारा एक दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन स्वामी चैतन्य कीर्ति ने किया। जिसमें ध्यान प्रयोग, नृत्य उत्सव तथा स्वामी जी के साथ प्रश्नोत्तर मुख्य दिनचर्या का हिस्सा रहे।

-स्वामी कमल

पुरी, उड़ीसा

बंगाल की खाड़ी के सुन्दर सामुद्रिक किनारे जगन्नाथपुरी में 11 से 13 जनवरी को त्रिदिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में देश-विदेश से आए 120 मित्रों ने भाग लिया जिनमें से 26 मित्रों ने नव-संन्यास की दीक्षा ग्रहण की। शिविर का संचालन स्वामी आनंद अरुण ने किया।

शाहगंज, आगरा

शाहगंज, आगरा में 13 जनवरी को एक दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन स्वामी आत्मो कल्याण और स्वामी आनंद वर्तमान ने किया।

दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन स्वामी आत्मो कल्याण और स्वामी आनंद वर्तमान ने किया।

ओशो ध्यान साधना केन्द्र एवं लाईब्रेरी द्वारा 19 जनवरी को महापरिनिर्वाण महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वामी ज्ञान दिपेश ने किया।

सहरसा, बिहार

ओशो महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर ओशो मुधर मिलन ध्यान केन्द्र–नवहट्टा जिला सहरसा द्वारा त्रिदिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन 16 से 18 जनवरी को किया गया। जिसमें अनेकों साधक एवं संन्यासी मित्रों ने भाग लिया।

शिविर संचालक स्वामी कृष्ण भारती के निर्देशन में सक्रिय ध्यान, नादब्रह्म, नटराज, कुण्डलिनी, जिबरिश आदि ध्यान विधियों का प्रयोग किया गया और साथ-साथ ओशो प्रवचनों का भी आनंद लिया।

-स्वामी कृष्ण भारती

रायगढ़, महाराष्ट्र

ओशो हास्य शिविर एवं ओशो निर्वाण उत्सव 17 से 20 जनवरी को रायगढ़, महाराष्ट्र में मनाया गया। नटराज, कीर्तन, शेयरिंग, सक्रिय,

नो-डाइमेंशन, ओम्, कुण्डलिनी, जिबरिश आदि ध्यान प्रयोग करवाये गए।

संन्यास उत्सव के समय सूफियाना अंदाज में मित्रों ने जमकर नृत्य किया। शिविर का संचालन मा ध्यान आभा ने किया।

-स्वामी विट्ठल

हथियारी, देहरादून

हथियारी, देहरादून में 18 से 20 जनवरी को

ओशो महोत्सव शिविर का आयोजन किया गया। सभी साधकों ने विभिन्न ध्यान प्रयोगों के अन्तर्गत अनूठे अनुभवों को पाया तथा अपने को अधिक सहज व जीवंत महसूस किया।

शिविर का संचालन स्वामी आत्मो कल्याण द्वारा किया गया और 3 नये मित्र नव-संन्यास में दीक्षित हुए।

-स्वामी प्रेम परितोष

राजकोट, गुजरात

राजकोट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित 'ओशो वाटिका' में 18 से 20 जनवरी को त्रिदिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। ओशो ध्यान मंदिर का उद्घाटन मा धर्म ज्योति द्वारा किया गया। शिविर में 110 साधकों ने भाग लिया।

19 जनवरी को ओशो परिनिर्वाण दिवस उत्सव के रूप में मनाया गया। जिसमें 18 मित्रों ने नव-संन्यास लिया। मा धर्म ज्योति के संचालन में साधकों ने गहरे ध्यान में डुबकी लगाई।

साधकों ने गहरे ध्यान में डुबकी लगाई।

-स्वामी सत्य प्रकाश

अजमेर, राजस्थान

19 जनवरी ओशो निर्वाण दिवस को अजमेर के ओशो प्रेमियों ने ओशो अमृत महोत्सव के रूप में आनंद और उल्लास से मनाया।

शिविर के दौरान सूफी कलाम पर साधकों ने जमकर नृत्य किया। इसके उपरान्त ओशो की वाणी में श्वास पर आधारित 'मैं कौन हूं' ध्यान पर साधक अपने अंतस में डूबे।

-स्वामी चैतन्य योगी

बीकानेर, राजस्थान

ज्ञानतीर्थ आश्रम के प्रांगण में ओशो ज्ञानतीर्थ ध्यान केन्द्र द्वारा 19 जनवरी को ओशो की 18वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ओशो महोत्सव बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया।

इस महोत्सव में स्वामी विजयानंद भारती ने 'इवनिंग सत्संग विद दा मास्टर' संगीत पर साधकों को ध्यान करवाया।

-मा विजया भारती

बोकारो, झारखंड

ओशो ध्यान साधना केन्द्र, बोकारो द्वारा 19 जनवरी को ओशो महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया, जिसमें कीर्तन-नृत्य ध्यान, विपस्सना तथा नो-माइंड ध्यान करवाया गया।

-स्वामी देव उत्सव

मधेपुरा, बिहार

बिहार के प्रसिद्ध मधेपुरा कॉलेज में 19 से 20 जनवरी को ओशो महोत्सव शिविर का आयोजन किया गया। दूर-दूर से आए करीब 150 ओशो प्रेमियों, मित्रों और संन्यासियों ने स्वामी अंतर आलोक के संचालन में सक्रिय, स्टॉप, देववाणी, तथाता, कुण्डलिनी और कीर्तन ध्यान से मदमस्त होकर प्रभु उन्माद में प्रेम और आनंद की ऊष्मा पाई। कीर्तन तथा जीवन और मृत्यु पर जब ओशो की वाणी गूंजी तो शिविर स्थल पर आए सैकड़ों ओशो प्रेमियों के हृदय गदगद हो उठे।

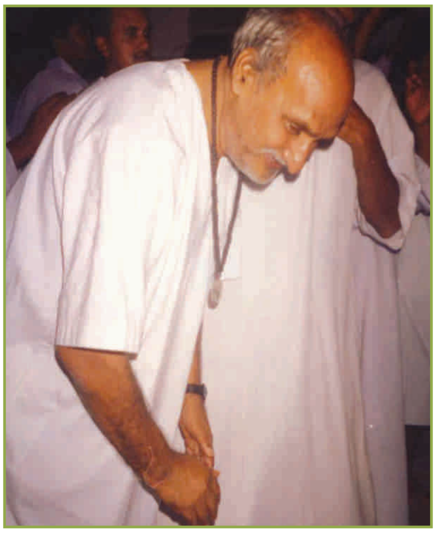

आनंद की ऊष्मा पाई। कीर्तन तथा जीवन और मृत्यु पर जब ओशो की वाणी गूंजी तो शिविर स्थल पर आए सैकड़ों ओशो प्रेमियों के हृदय गदगद हो उठे।

-स्वामी जीवन अभीरू

कच्छ, गुजरात

फ्रेन्डस ऑफ ओशो, कच्छ द्वारा ओशो निर्वाण उत्सव भुज में बहुत ही आनंद व गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। इस महोत्सव के दौरान लॉफिंग ड्रम और शिव नृत्य एवं नादब्रहम ध्यान करवाया गया। फिर ओशो प्रवचन और सत्संग हुआ। श्रवण ध्यान एवं नृत्य संगीतमय उत्सव में सभी डूब गये।इस शिविर का संचालन स्वामी आनंद योगेश ने किया।

-स्वामी सत्य दर्शन

फतेहपुर, उ. प्र.

'ओशो ध्यान कुंज' रानी कालोनी, फतेहपुर में ओशो का निर्वाण दिवस 'गोष्ठी एवं ध्यान साधना शिविर' के रूप में मनाया गया। शिविर में सक्रिय ध्यान व गुरु वंदना तथा 'ओशो मेरे माहिया' कैसेट पर ओशो के प्रवचन सुनाये गये।

कैसेट पर ओशो के प्रवचन सुनाये गये।

-मा प्रेम संतोष

मेरठ, उ. प्र.

ओशो सद्धर्म ध्यान केन्द्र, शास्त्री नगर में ओशो का निर्वाण दिवस उनके शिष्यों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वामी आनंद अवनेश के संचालन में ध्यान विधियों के अलावा शिष्यों के प्रश्नोत्तर का सत्र भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।

-मा शांति एकांत

कैथल

कैथल शहर से जुड़े सभी ओशो मित्रों ने ग्यारहन्द्री मंदिर में ओशो महापरिनिर्वाण दिवस बड़े ही उत्साह व आनंद के साथ मनाया। मित्रों ने कीर्तन ध्यान व ओशो के अमृत प्रवचनों का आनंद लिया।

-मा प्रेम गरिमा

इन्दौर

20 जनवरी को ओशो महोत्सव के अवसर पर एक दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान मित्र साधकों ने नृत्य ध्यान

और कीर्तन का आनंद प्राकृतिक वातावरण में घंटों नृत्य करके लिया तथा ओशो वाणी, टेप प्रवचन का भी आनंद उठाया। शिविर का संचालन स्वामी पूर्णानंद भारती ने किया।

-स्वाधार तीर्थ

अहमदाबाद और पुणे

गुजरात के प्रमुख शहर अहमदाबाद में गत 2 वर्षों से ओशो आनंद-उत्सव ओशो को समर्पित एक नया ध्यान केन्द्र सक्रिय है। इसका संचालन मा दिव्यम करती है। इस केन्द्र में 22 जनवरी को, ओशो पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में, ओशो उत्सव का

एक नया ध्यान केन्द्र सक्रिय है। इसका संचालन मा दिव्यम करती है। इस केन्द्र में 22 जनवरी को, ओशो पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में, ओशो उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें स्थानीय ओशो प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में ओशो वर्ल्ड अंग्रेज़ी पत्रिका के संबंध में स्वामी चैतन्य कीर्ति ने प्रेस के साथ साक्षात्कार किया, जिसकी खबरें टाइम्स ऑफ इंडिया, अहमदाबाद मिरर, डी. एन.ए. तथा दिव्य भास्कर आदि समाचार-पत्रों में छपी। इसी प्रकार का एक आयोजन 24 जनवरी की सायं को पुणे के कोरेगांव पार्क में अबुल कलाम आज़ाद सभागार में हुआ। इसमें अंतर्राष्ट्रीय ओशो प्रेमियों को अंग्रेज़ी ओशो पत्रिका के नए रूप का परिचय दिया गया।

भीलवाड़ा, राजस्थान

भीलवाड़ा, राजस्थान के संन्यासी मित्रों द्वारा ओशो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ओशो साहित्य प्रदर्शनी का शुभारंभ विभिन्न नगरों में किया जा रहा है, जिसमें एक मोबाईल मिनी बस की सहायता से ओशो का साहित्य, प्रवचनों के सी.डी. व कैसेट (ऑडियो), बड़े फिल्मी पर्दे पर ओशो प्रवचन, मेनीफैस्टो व आश्रम की अन्य कैसेट प्रोजेक्टर द्वारा दिखाई जाती है तथा हर नगर में साहित्य प्रदर्शनी एवं ध्यान प्रयोगों के विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे हैं।